उत्तर बिहार में चावल की मिलें

२२४५. **श्री विभूति मिश्र :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर बिहार में चावल की मिलो को धान अथवा चावल क्रमशः ९ रुपये तथा १६ रुपये प्रति मन के मूल्य, पर जो कि सरकार द्वारा निर्धारित किये गये है, नही मिल रहा;

(ख) यदि हा, तो क्या सरकार धान और चावल के मूल्यों को बढ़ाने का विचार कर रही है ;

(ग) क्या यह सच है कि उत्तर बिहार के सब मिल मालिको ने ३१ जनवरी, १९५९ से अपनी मिलें बंद कर दी है, और

(घ) क्या यह भी सच है कि उत्तर बिहार में जनवरी, १९५९ मे धान और चावल के मूल्य क्रमशः ११ रुपये से १२ रुपये प्रति मन और २० रुपये से २२ रुपये प्रति मन तक थे?

खाद्य और कृषि उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) · (क) से (ग). चावल की मिलें चावल नही अपितु धान खरीदती है, जिसका भाव बिहार में नियंत्रित नही किया गया है। सूचना मिली है कि उत्तर बिहार मे चावल की कुछ मिलो ने धान कूटना इस कारण से स्थगित कर दिया है कि उन को धान उस भाव पर नही मिलता जिससे कि वह चावल को नियन्त्रित मूल्य पर दे सके। यह कठिनाई कैसे दूर हो सकती है यह विचाराधीन है।

(घ) जनवरी १९५९ में उत्तर बिहार में धान के भाव ९ रुपये से १२ रुपये प्रति मन और चावल के १६.५० से २० रुपये प्रति मन तक रहे।

An Hon. Member: In English also.

Mr. Speaker: Yes.

Shri A. M. Thomas: (a) to (c). The rice mills do not purchase rice but purchase padd./ for which statutory controlled price has not been fixed in Bihar. Some of the rice mills in North Bihar are reported to have suspended milling operations due to the difficulty of obtaining paddy at a price which would enable them to sell rice at the controlled price. How the difficulty can be met is under consideration.

(d) During January 1959, the prices of paddy in North Bihar ranged from Rs. 9·00 to Rs. 12·00 per maund and those of rice from Rs. 16·50 to Rs. 20·00 per maund.

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि जब मिल वाले धान या चावल सरकार द्वारा निर्धारित कीमत पर नही खरीद सके तो सरकार ने कहा कि मिल वाले ज्यादा कीमत पर खरीदें और जो खरीदे उसमें से २५ परसेंट हम को दिया करें ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन): ऐसी बात नही है कि हमने यह कहा कि मिल वाले ज्यादा कीमत पर खरीदें और उसमें से २५ परसेंट हम को दें। हम ने तो यह कहा है कि ठीक कीमत पर खरीदें और फिर उसमें से २५ पर सेंट हम को दें।

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि मिल वाले अधिक कीमत पर धान और चावल खरीद रहे है। वह सरकार को उसका कोटा देंगे और बकाया को अपना घाटा पूरा करने के लिए ब्लैक में बेचेंगे ?

श्री अ० प्र० जैन : यह तो यहां पर प्रश्न के उत्तर में बताया गया कि बहुत सारी मिलें तो बन्द है।

श्री अनिरुद्ध सिंह : अभी माननीय मंत्री जी ने श्री विभूति मिश्र के प्रश्न के

उत्तर में बताया कि ऐसी हिदायतें नहीं दी गयी है। लेकिन जहां तक मुझे मालूम है बिहार सरकार ने ऐसा कहा है। क्या आपने अपना उत्तर बिहार सरकार से एसरटेन करने के बाद दिया है। मेरी सूचना यह है कि बिहार सरकार ने मिल वालों को कहा है कि तुम हमको २५ परसेंट चावल दे दो और बाकी जैसे चाहो बाजार में बेचो। आप इस बारे में बिहार सरकार से दरियाफ्त कर सकते है।

श्री अ० प्र० जैन : नही तो। कानून के हिसाब से वह ऐसा कैसे कह सकते हैं। मैं पिछली बार पटना गया था और मेरी बात भी हुई थी। पर मुझ से किसी ने ऐसी शिकायत नही की कि बिहार गवर्नमेंट ने ऐसा कहा है।

श्री विभूति मिश्र : मै जानना चाहता हू कि अगर ऐसी बात नही तो क्या सरकार वहा मिल वालो के पास जो चावल है उस चावल को बाजार में कन्ट्रोल रेट पर बिकवाने की चेष्टा करेगी।

श्री अ० प्र० जैन : हमने तो राज्य सरकार से यही कहा है कि उसको कन्ट्रोल प्राइस पर बेचने की चेष्टा करे।

श्री सिंहासन सिंह : क्या यह सही है कि गवर्नमेंट ने इसेशियल कमोडिटीज ऐक्ट का प्रयोग चावल के बारे मे किया है, अगर नही किया तो क्यो नही?

श्री अ० प्र० जैन : हमने उसका प्रयोग किया है और उसी के मुताबिक तो नोटिफिकेशन निकाले हैं।

श्री सिंहासन सिंह : उसके मुताबिक चावल लिया गया था।

श्री अ० प्र० जैन : लिया गया।

श्री त्यागी : अभी मिनिस्टर साहब ने बताया कि पैडी ठीक कीमत पर काश्तकारों से खरीदा गया। मैं जानना चाहता हू कि ठीक कीमत क्या तजवीज की गई है?

श्री अ० प्र० जैन : नौ रुपया।

श्री त्यागी : कोई काश्तकार ९ रुपये मे धान बेचने को तैयार नही है।

श्री अ० प्र० जैन : बेच रहे है।

Shri Tyagi: No tenant will be prepared to sell at Rs. 9.

Shri Ranga: He is being ruined.

Mr. Speaker: Hon Members cannot decide that matter in the question hour; they can only elicit information They know how to bring it, if necessary, before the House for discussion

Shri Ranga: How many times, Sir! It will be the same answer

Mr. Speaker: What can I do?

Shri Shree Narayan Das: Is it a fact that the Government of Nepal has put a ban on the export of paddy from that territory to India and it is due mostly to that fact that a large number of rice mills have been closed; if so, may I know whether any effort has been made to persuade the Nepal Government to allow some part of the paddy to be imported into India?

Shri A. P. Jain: So far as my information goes, the flow of paddy

from Nepal into Bihar has gone down, but according to my information there is no legal ban

श्री ब्रजराज सिंह : क्या मैं जान सकता हू कि नौ रुपये प्रति मन के हिसाब से जो धान की खरीद का भाव तै किया गया है, इसके पीछे क्या आधार है, किन कारणो से ऐसा भाव तै किया गया है, क्या उसमें काश्तकार के खर्चे का कोई हिसाब लगाया गया है या नही ?

श्री अ० प्र० जैन सब बातो का ध्यान रख कर किया गया है। पीछे क्या कीमतें रही हैं, पार साल क्या कीमत थी, इन तमाम चीजो को सामने रख कर यह दाम लगाये गये है।

Traffic Survey of Buckingham Canal

***2247. Shri T. B. Vittal Rao:** Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to the reply given to Starred Question No 425 on the 19th February, 1959 and state:

(a) whether the traffic officer appointed to conduct the traffic survey of the Buckingham Canal has since submitted his report, and

(b) if so, when the examination of the same is likely to conclude?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) The Traffic Survey of the Buckingham Canal has been arranged by the Inland Water Transport Enquiry Committee, the Traffic Officer has since submitted the report to the Committee

(b) The examination of the Survey report is likely to be completed by June 1959, when the I.W.T Committee is expected to finalise its Report.

Shri T B. Vittal Rao: After the conclusion of the examination of the traffic survey report by the Inland Water Transport Enquiry Committee, will a decision be taken by the Government?

Shri Raj Bahadur: The Inland Water Transport Enquiry Committee will examine the report of this traffic survey. After that they will submit their own final report by June 1959 When it comes to Government, Government will take a decision after due examination

Shri T. B. Vittal Rao: During the course of the examination of this traffic survey report, may I know whether the representatives of the State Governments of Andhra and Madras will also be associated?

Shri Raj Bahadur: In respect of all such inter-State projects it is usual to consult the State Governments concerned

Shri T. B. Vittal Rao: May I know if the Railway Ministry will also be consulted?

Shri Raj Bahadur: As I said, it is a matter of transport which will also impinge upon the traffic earnings of railways and roads That is why the Planning Commission advised us that before we accept this project, its economics should be worked out properly and the advantages that might flow from it should be properly ascertained

Shri T B. Vittal Rao: May I know if there is any prospect of this project being completed in the Second Five Year Plan because it was included in the Second Five Year Plan?

Shri Raj Bahadur: It is premature for me to hazard any opinion about that, because, after all, it depends upon the nature of the recommendations that may be made by the Inland Water Transport Enquiry Committee

Shri Tangamani: Already the Madras Government have submitted their plans for the deepening of the canal. After this matter is submitted to the Planning Commission, may I know whether the proposals of the Madras Government will be taken up?

Shri Raj Bahadur: It was on the proposals of the Andhra and the Madras Governments that the Gokhale Committee advised that there should